



DR. (SMT.) SHANTI ROY

Dr. (Smt.) Shanti Roy is an Obstetrician and Gynaecologist of Bihar residing in Patna. She is well recognized for her contributions towards medical profession.

2. Born on 1st November, 1940 in village Goreakothi of Bihar, which is now in Siwan District, Dr. Roy received her bachelor's degree with Gold Medal & Hons. (MBBS) from Patna University, in 1962. She got her Master's degree in Obstetrics & Gynaecology from Bihar university, in 1969. She was admitted as a Member of National Academy of Medical Sciences in 1979 by National Board of Examinations.

3. Dr. Roy has actively contributed towards prevention and control of diseases like HIV/AIDS, cervical cancer, breast cancer, apart from saving innumerable lives of women through her dedicated medical skill and empathy. She has a huge experience in management of infertility. Her enormous efforts lead to beginning of IVF technology in the state of Bihar which became a ray of hope for countless childless couples. She has been an inspiration and role model for many underprivileged girls of the society which signifies her dedication and hard work, extraordinary skills and multifaceted personality.

4. Dr. Roy had been a great teacher in her life and served in various medical colleges of Bihar for more than 33 years. She believes in working at grass root level for betterment of society and country. She advocates women empowerment and strongly worked throughout her life for education and betterment of life of women, particularly in villages and suburban areas. She has been one of the active members of many organizations like Indian Medical Association, Federation of Obstetric and Gynaecological Societies of India, Indian Society of Assisted Reproduction, Indian Fertility Society, National Association of Reproductive and Child Health of India, Indian Council of Medical Research Indian College of Obstetricians and Gynaecologists, Red Cross Society and Mahavir Arogya Sansthan.

5. Dr. Roy's passion is to create awareness about health and healthy-living amongst uneducated and under privileged people of Bihar. Besides organizing various health camps and awareness programmes in different parts of the state, she edited two books in Hindi for Hindi speaking people to provide them with basic knowledge of female healthcare, named “Garbh evam Prasav Gyan” & “Stree Rog Gyan”. She also contributed chapters in many other books related to Obstetrics and Gynaecology and many research articles in various medical journals of India.

6. Dr. Roy is a recipient of numerous awards and honours. She has been conferred with Lifetime Achievement awards by IMA (Bihar), Bihar Obstetric and Gynaecological Society, Dainik Jagran, The Times of India and FOGSI. She got “Excellence Award for outstanding support to motherhood” by Glenmark Company, “The Icons of Bihar Award” by OUTLOOK Publishing House and “DOCTORS PRIDE Award for Excellence in Healthcare” by Dainik Bhaskar etc.





डॉ. (श्रीमती) शान्ति राय

डॉ. (श्रीमती) शान्ति राय प्रसूति रोग और स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं और बिहार के पटना में रहती हैं। उन्हें चिकित्सा पेशे के प्रति उनके योगदान के लिए जाना जाता है।

2. 1 नवंबर, 1940 को बिहार के गोरिया कोठी गांव, जो अब सीवान जिले में है, में जन्मी, डॉ. राय ने 1962 में, पटना विश्वविद्यालय से गोल्ड मेडल के साथ अपनी स्नातक और ऑनर्स (एमबीबीएस) की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने 1969 में बिहार विश्वविद्यालय से प्रसूति और स्त्री रोग में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। उन्हें 1979 में नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन द्वारा नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसिज का सदस्य बनाया गया।

3. डॉ. राय ने समर्पित चिकित्सा कौशल और सहानुभूति के माध्यम से असंख्य महिलाओं के जीवन को बचाने के अलावा एचआईवी/एड्स, सर्वाइकल कैंसर, स्तन कैंसर जैसी बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण में सक्रिय योगदान दिया है। उन्हें बांझपन के प्रबंधन का गहरा अनुभव है। उनके पुरजोर प्रयासों से बिहार राज्य में आईवीएफ प्रौद्योगिकी की शुरुआत हुई जिससे अनगिनत निःसंतान दम्पतियों के जीवन में आशा की किरण पैदा हुई। वह समाज की बहुत सी वंचित लड़कियों के लिए एक प्रेरणा और रोल मॉडल रही हैं जिससे उनकी निष्ठा और कड़ी मेहनत, असाधारण कौशल और बहुआयामी व्यक्तित्व का परिचय मिलता है।

4. डॉ. राय अपने जीवन में एक महान शिक्षक रही हैं और उन्होंने 33 से अधिक वर्षों तक बिहार के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में अपनी सेवाएं दी। वह समाज और देश की बेहतरी के लिए जमीनी स्तर पर काम करने में विश्वास करती हैं। वह महिला सशक्तीकरण की हिमायती हैं और उन्होंने विशेष रूप से गांवों और उपनगरीय क्षेत्रों में महिलाओं की शिक्षा और जीवन को बेहतर बनाने के लिए जीवन भर मजबूती से कार्य किया। वह इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, फेडरेशन ऑफ ओबस्टेट्रिक एंड गायनिकोलोजिकल सोसायटीज ऑफ इंडिया, इंडियन सोसायटी ऑफ असिस्टेड रिप्रोडक्शन, इंडियन फर्टिलिटी सोसायटी, नेशनल एसोसिएशन ऑफ रिप्रोडक्टिव एंड चाइल्ड हेल्थ ऑफ इंडिया, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, इंडियन कॉलेज ऑफ ओबस्टेट्रिक एंड गायनिकोलोजिस्टस, रेडक्रॉस सोसायटी तथा महावीर आरोग्य संस्थान जैसे कई संगठनों की सक्रिय सदस्य रही हैं ।

5. डॉ. राय में बिहार के अशिक्षित और वंचित लोगों के बीच स्वास्थ्य और स्वस्थ रहने के बारे में जागरूकता पैदा करने का जज्बा है। राज्य के विभिन्न भागों में विभिन्न स्वास्थ्य शिविर और जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के अलावा, उन्होंने हिन्दी भाषी लोगों के लिए हिंदी में दो पुस्तक "गर्भ एवं प्रसव ज्ञान" और "स्त्री रोग ज्ञान" का संपादन किया ताकि उन्हें महिला स्वास्थ्य देखभाल के बारे में बुनियादी ज्ञान प्रदान किया जा सके। उन्होंने प्रसूति और स्त्री रोग से संबंधित कई अन्य पुस्तकों में अध्याय लिखे हैं और भारत के विभिन्न चिकित्सा जर्नलों में कई शोध लेख भी लिखे हैं।

6. डॉ. राय को अनेक पुरस्कार और सम्मान प्रदान किए गए हैं। उन्हें आईएमए (बिहार), बिहार ओबस्टेट्रिक एंड गायनिकोलोजिकल सोसायटी, दैनिक जागरण, टाइम्स ऑफ इंडिया और फोगसी द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने ग्लेनमार्क कंपनी का मातृत्व में उल्लेखनीय सहयोग के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार, आउटलुक पब्लिशिंग हाउस का "द आइकन्स ऑफ बिहार अवार्ड" तथा दैनिक भास्कर का" डॉक्टर्स प्राइड अवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन हेल्थकेयर" आदि पुरस्कार प्राप्त किए हैं।